

➡ महिलाओं को बालों से घसीटते दिखे कई पुरुष पुलिसकर्मी ➡ पुलिस के सामने कुछ छात्रों को 'हथियारों' से पीटते रहे गुंडे

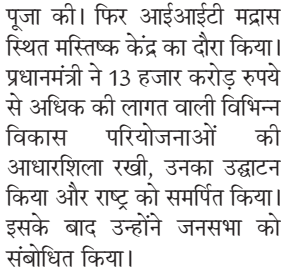
देश प्राण ब्यूरो

अदोलत ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का अवैध हिंसात्मक गोकर्न, मेट्रो और रेल सेक्टर सामान्य रखने तथा लोगों को निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सुनवाई के बाद दिल्ली के कुछ हिस्सों में प्रतिबंधों में ढील और बैरिकेडिंग हटाए जाने की खबरें सामने आईं। इस बीच सीजेपी के तीन प्रमुख नेता रिहा हो गए और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार तथा दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। विपक्ष की ओर से 12 अक्तूबर को भी प्रदर्शन की तैयारी है।

सीएम ने अपनी मां की स्मृति में पारंपरिक रीति-रिवाजों का किया निर्वहन



नई दिल्ली, 11 अक्टूबर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले 25 वर्षों से सरकार के प्रमुख के तौर पर कार्य के दौरान लोकतंत्र की दो शक्तियों पर उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। यह शक्तियाँ हैं देश की जनता और सहकारी संघवाद। उन्होंने कहा 'हमेशा



में व्यवधान को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को विशेष सुनवाई की। न्यायमूर्ति जॉयमल्ल्य बागुची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण और निहत्थे लोगों को सऊदी में निर्धारित प्रक्रिया के बिना हिरासत में नहीं लिया जा सकता। अदालत ने दिल्ली में मेट्रो और रेल सेवाओं को सामान्य रूप से चलाने, इंटरनेट सेवाओं को कानून के अनुरूप निर्बाध रखने तथा लोगों और वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

આલિંગ સે યૌન શો

कुछ इलाकों में बैरिकेडिंग में ढील, लेकिन हिरासत जारी

सुरीम कोर्ट की सुनवाई के बाद दिल्ली के कुछ हिस्सों में आवाजाही पर लगी पाबंदियों में ढील दिए जाने और बैरिकेडिंग हटाए जाने की खबरें आईं। हालाँकि, राजधानी के प्रमुख इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बनी रही। कर्नाट प्लेस और जंतर-मंतर के आसपास पुलिस की तैनाती जारी रही और प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए लोगों को हटाया गया।

इस घटनाक्रम ने अदालत के निर्देशों और जमीन पर पुलिस की कार्रवाई के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े किए। अदालत ने जहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन और स्वतंत्र आवाजाही की सुरक्षा पर जोर दिया, वहीं पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधों को जरूरी बताया।

शनिवार से अधिक प्रदर्शनकारी पहुंचे,
विरोध का दायरा बढ़ा
शनिवार को प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए

प्रण के आरोप में

जाने और सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद रविवार को भी विरोध जारी रहा। सीजेपी तथा अन्य संगठनों से जुड़े लोगों ने दोबारा जुटने की कोशिश की। कर्नाट प्लेस सहित मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में नारेबाजी और प्रदर्शन की खबरें आई। पुलिस ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों को हटाय़ा और हिरासत में लिया।

सादे कपड़ों में लोगों द्वारा मारपीट के वीडियो, पुलिस की भूमिका पर सवाल प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट करते हुए दिखाए जाने वाले वीडियो सामने आए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली

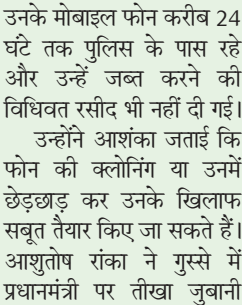
“इस पॉलिसी में”

 **सबसे पहले**
लाइफ इश्योरेंस

एक बार बचाए



✦ दुनिया के सामने
 देश का सिर शर्म से
 झुक गया: रांका
 ✦ फोन से छेड़छाड़
 और सबूत गढ़ने की
 जताई आशंका



के कनाट प्लेस और जंतर-मंतर
कथित तौर पर खुद को हिंदू रक्षा
दल के कार्यकर्ता बताने वाले
प्रदर्शनकारियों पर हमला किया।
वीडियो सामने आने के बाद यह
प्रदर्शन स्थल पर मौजूद पुलिस
को रोकने के लिए क्या कार्रवाई

रविवार को मीडिया रिपोर्टों में महिला प्रदर्शनकारियों और पत्र हमले के सिलसिले में पकड़े जानकारी दी गई। इन घटनाओं और आरोपियों की पहचान सा

... और अप



Press Club of India | Press

हमला बोला और उन्हें भारतीय इतिहास का सबसे कायर प्रधानमंत्री बताना दिया। नेताओं ने हिरासत में प्रदर्शनकारियों के साथ कथित मारपीट और वकीलों से संपर्क करने में बाधा डालने के आरोप भी लगाए।

उन्होंने कहा कि मुख्य निवाचन आयुक्त जॉर्जस कुमार के इस्तीफे और मतदान सूची के एसआरआर में कथित अनियमितताओं के खिलाफ अनायास आंदोलन जारी रहेगा। हालाँकि, फोन से छेड़छाड़ और पुलिस की कार्रवाइ से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पृष्ठ नहीं हुई है।

के आसपास न और बज्रग कड़ लोहों ने घटनाओं के बाल उठा कि ऐसी घटनाओं के बार लोहों को रों पर कथित न जानें की भी निष्पक्ष जानें आ से ही

लिखीधारक द्वारा वहन किया जायेगा”

लक्ष्यों को प्राप्त करें

1. **Introduction**
 2. **Background**
 3. **Methods**
 4. **Results**
 5. **Conclusion**
 6. **References**

■ बचत धनराशि:
आप कम से कम रु. 1 लाख या जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे बड़ी कोई रकम निवेश कर सकते हैं।

■ 4 फंड विकल्प:
आप 4 फंड विकल्पों—बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई चुन सकते हैं।

■ निःशुल्क फंड परिवर्तन:
आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।

■ आवश्यकता पर निकासी :
5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*

■ जोखिम सुरक्षा विकल्प :
प्रीमियम भुगतान का 1.25 गुना अथवा 10 गुना
जोखिम सुरक्षा चुनने का विकल्प।

पॉलिसी के लाभ:

- गारंटीकृत लाभ:
यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*

- पॉलिसी परिपक्वता:
यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :

- प्रवेश की आयु:
न्यूनतम आयु: 90 दिन
अधिकतम आयु: 35 वर्ष / 70 वर्ष (चयनित
जोखिम सुरक्षा के अनुसार)

- परिपक्वता आयु:
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 50 वर्ष / 85 वर्ष (चयनित
जोखिम सुरक्षा के अनुसार)

- पॉलिसी अवधि: 10 – 25 वर्ष

© 2006 The Authors
Journal compilation © 2006 Blackwell Publishing Ltd



19/HIN

C/AR/19-20

Life Insurance Corporation of India
हम पल आपके साथ

भाजपा के हुए ईचागढ़ के लाल हरेलाल महतो, समर्थकों की भीड़ से गदगद हुए दिग्गज नेता

भादूडीह में शक्ति प्रदर्शन के साथ हरेलाल ने थामा भाजपा का दामन, कई दिग्गज रहे मौजूद

देश प्राण संवाददाता

ईचागढ़, 11 अक्टूबर : विधानसभा की राजनीति में रविवार को बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिला। आजसू पार्टी छोड़ चुके ईचागढ़ के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हरेलाल महतो ने चांडिल प्रखंड के भादूडीह फुटबॉल मैदान में आयोजित विशाल मिलन समारोह सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थकों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। समारोह में उमड़ी समर्थकों की भीड़ के जरिए हरेलाल महतो ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। वहीं, भारी जनसमूह को देखकर भाजपा के वरिष्ठ नेता भी उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद



आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ, जमशेदपुर सांसद विद्युत वर्णन महतो, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी और डॉ.

दिनेशानंद गोस्वामी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हरेलाल महतो ने वर्ष 2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव में ईचागढ़ सीट से आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उनके भाजपा में शामिल होने को क्षेत्र की राजनीति में

महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। **मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मजबूत करने का संकल्प :** भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद हरेलाल महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित

भारत के संकल्प और ह्रासबका साथ, सबका विकास की नीति से प्रेरित होकर उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य जनसेवा के कार्यों को और व्यापक बनाना है। हरेलाल ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी भाजपा को मजबूत करने के लिए अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने आने वाले समय में पूरे कोल्हान में भाजपा का कमल खिलाने का संकल्प जताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने हरेलाल महतो का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और विकास कार्यों पर देश की जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा में सदस्यता ग्रहण

का अभियान जारी है और आने वाले दिनों में कई अन्य नेता भी पार्टी में शामिल होंगे।

नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन में झारखंड की झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के संसाधनों का समुचित उपयोग करने के बजाय उनका दोहन किया जा रहा है और सरकार जनता के हितों पर खरा उतरने में विफल रही है। उन्होंने त्योहारों के दौरान अशांति और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को भी उठाया तथा राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया।

ट्रिपल आईटी के छात्र की मौत, हॉस्टल में हंगामा

देश प्राण संवाददाता

रांची, 11 अक्टूबर : खेलगांव थाना क्षेत्र स्थित ट्रिपल आईटी के हॉस्टल में एक छात्र की मौत से अफरा तफरी मच गई। मृत छात्र की पहचान आदित्य के रूप में हुई है। वह बिहार के पूर्णिया का रहने वाला था। रविवार रात लगभग 11:30 बजे तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर दोस्तों को अनहोनी की आशंका हो गई। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि आदित्य कमरे में मृत पड़ा है। आनन-फानन में दोस्त उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही हॉस्टल में छात्रों के बीच अफरा-तफरी मच गई। छात्र की मौत से आक्रोशित विद्यार्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

स्थिति को संभालने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों

को शांत कराने में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों की भी घटना की सूचना दे दी है।

फिलहाल, आदित्य की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। छात्र ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों से भी पूछताछ कर सकती है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। घटना के बाद हॉस्टल में तनाव का माहौल बना हुआ है।

रांची ट्रिपल आईटी में सुविधाओं की कमी को लेकर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। छात्रों का आरोप है कि छात्र ने आत्महत्या की कोशिश की। यदि समय पर एंबुलेंस उपलब्ध होती और उसमें ऑक्सीजन की सुविधा होती, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। रांची के सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जयराम स्पोर्टिंग क्लब बीसा के तत्वावधान में फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न पेनल्टी शूटआउट में जसपुरिया एफसी का धमाका 5-4 से जीता खिताब, मनेश बेदिया बने मैन ऑफ द सीरीज



देश प्राण संवाददाता

अनगड़ा, 11 अक्टूबर : जयराम स्पोर्टिंग क्लब बीसा के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जसपुरिया एफसी ने अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में जसपुरिया एफसी ने एआर स्पोर्टिंग क्लब जोरहा को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष

देखने को मिला। आखिरकार पेनल्टी शूटआउट में जसपुरिया एफसी ने बाजी मारते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। वहीं, शानदार प्रदर्शन के लिए जसपुरिया एफसी के खिलाड़ी मनेश बेदिया को मैन ऑफ द सीरीज के खिताब से नवाजा गया।

खेल के मैदान से नशा मुक्ति का संदेश : तीन दिवसीय टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें खेलकूद से जोड़ना था। आयोजन के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ

जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। प्रतिযোগिता ने युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास किया।फाइनल मुकाबले में अतिथि के रूप में जयराम महली, ग्राम प्रधान उमेश बड़ाईक, योगेंद्र बेदिया और अजय आर्या उपस्थित थे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में विभीषण बेदिया, जुकेश्वर बेदिया, धीरज, बादल, छोटुराम, विपेंद्र सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवरात्र प्रतिपदा और महाराजा अग्रसेन जयंती पर पशुपतिनाथ मंदिर में भजन संध्या



देश प्राण संवाददाता

रांची : शारदीय नवरात्र प्रतिपदा और महाराजा अग्रसेन जयंती पर भज गोविंदन परिवार द्वारा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। रांची की उभरती गाविका श्रुति देशमुख ने अपने सुमधुर भजनों से कार्यक्रम को एक विशिष्ट गरिमा प्रदान की। उन्होंने भजन संध्या की शुरुआत गाइये गणपति जग वन्दन की। तदुपरान्त ओम है परम पिता का नाम भज लो प्यारे ओम का नाम, वीर हनुमाना अति बलवाना, हम कथा सुनाते राम सकल गुण

नाम की, सीताराम सीताराम सीताराम कहिए जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए, श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारी, गोविन्द बोलो हरि गोपाल बोलो जैसे भजनों की उनकी प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बाल कलाकार अश्वंकर साहू द्वारा प्रस्तुत भगवान कृष्ण को समर्पित भजन और श्रीराम की गली में तुम जाना वहां नाचते मिलेंगे हनुमाना की भी सराहना की गयी। तबला पर संगत उदय देशमुख ने की। कार्यक्रम में डॉ शैलेंद्र कुमार रजक, डॉ अरविंद साहू ,मणिमाला साहू, डॉ देव प्रधान सहित अच्छी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

देश प्राण संवाददाता

रांची, 11 अक्टूबर : झारखंड के आदिवासी एवं जनजातीय समाज में ईसाई मिशनरी गतिविधियों, धर्मांतरण के इतिहास तथा भारतीय ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बीच लेखक सुनील कुमार बरनवाल द्वारा लिखित दो पुस्तकों ह्याफादर कॉन्स्टेंट लिक्वेसह एवं ह्याफादर कामिल बुल्केह का लोकार्पण रविवार को रांची के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन शैलचल प्रकाशन के तत्वावधान में किया गया।

समारोह की अध्यक्षता भारतीय महिला दार्शनिक परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजकुमारी सिन्हा ने की, जबकि प्रख्यात लेखक एवं इतिहासकार डॉ. दिवाकर मिंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. दिवाकर मिंज



ने धर्मांतरण के विषय पर खुलकर अपने विचार रखे। दोनों पुस्तकों के संदर्भ में ईसाई मिशनरी गतिविधियों, आदिवासी एवं जनजातीय समाज के बीच उनके विस्तार तथा धर्मांतरण से जुड़े ऐतिहासिक और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा हुई। इस विमर्श ने झारखंड के आदिवासी-जनजातीय समाज में आए धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों को समझने के लिए इतिहास के विभिन्न पक्षों पर गंभीरता से विचार

करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजकुमारी सिन्हा ने कहा कि आदिवासी समाज भारतीय ज्ञान-परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण संरक्षक है। उन्होंने आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों की पितृ-परंपरा और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे प्रतिदिन अपने पितरों का स्मरण और पूजन करते हैं। यह परंपरा उनके

जीवन-मूल्यों, सांस्कृतिक निरंतरता और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की भावना को दर्शाती है। उन्होंने आदिवासी-जनजातीय समाज की पारंपरिक मान्यताओं, सांस्कृतिक विरासत और पौधियों से चली आ रही परंपराओं को समझने तथा उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

फादर कॉन्स्टेंट लिक्वेस और फादर कामिल बुल्के के जीवन एवं कार्यों के संदर्भ में आयोजित इस कार्यक्रम में मिशनरी गतिविधियों, शिक्षा, भाषा, धर्मांतरण तथा आदिवासी-जनजातीय समाज पर उनके प्रभावों से जुड़े प्रश्न चर्चा के केंद्र में रहे। वक्ताओं के विचारों ने इस आवश्यकता को रेखांकित किया कि झारखंड के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन ऐतिहासिक स्रोतों, स्थानीय परंपराओं और विभिन्न दृष्टिकोणों के आधार पर किया जाए।

पिपरवार क्षेत्र की 11 विकास योजनाओं को मिली मंजूरी, 16.66 करोड़ खर्च का अनुमान

चतरा के टंडवा प्रखंड में सड़क, पुल और गार्डवाल निर्माण सहित कई योजनाओं का होगा क्रियान्वयन

देश प्राण संवाददाता

पिपरवार, 11 अक्टूबर : चतरा जिले के टंडवा प्रखंड में विकास कार्यों की गति देने के लिए 11 योजनाओं को मंजूरी मिली है। इन योजनाओं के तहत विभिन्न गांवों में सड़क निर्माण, पीसीसी पथ, उच्चस्तरीय पुल और आरसीसी गार्डवाल का निर्माण कराया जाएगा। इन सभी योजनाओं पर कुल 16 करोड़ 66 लाख 11 हजार 226 रुपये खर्च किए जाएंगे। योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत योजनाओं में चार विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण से लेकर विभिन्न नदी पर पुल एवं



गार्डवाल निर्माण तक के कार्य शामिल हैं। योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और आवागमन को सुगम बनाना है। स्वीकृत योजनाओं में टंडवा प्रखंड के चार विद्यालयों में चहार दीवारी निर्माण के लिए 44 लाख 91 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। वहीं, हफुआ दह नाला पर उच्चस्तरीय आरसीसी गार्डवाल निर्माण के लिए 2 करोड़ 22 लाख

24 हजार 777 रुपये तथा हेमनगड़ा नाला पर आरसीसी उच्चस्तरीय गार्डवाल निर्माण के लिए 2 करोड़ 84 लाख 35 हजार 310 रुपये की राशि निर्धारित है। इसके अलावा, किचटो में पीसीसी सड़क एवं गार्डवाल निर्माण के लिए 24 लाख 73 हजार रुपये, बनहे में दुर्गा मंडप से पीएमजीएसवाई सड़क तक पीसीसी पथ निर्माण के लिए 50 लाख 37 हजार 900 रुपये तथा दुवारी गांव

में निर्माण स्थल से नदी तक पीसीसी सड़क निर्माण के लिए 47 लाख 16 हजार 600 रुपये खर्च किए जाएंगे। मोहन महतो के घर से बैजथान महतो घर तक पीसीसी सड़क निर्माण के लिए 99 लाख 79 हजार 700 रुपये की योजना भी शामिल है।

पुल निर्माण से मिलेगी आवागमन में सुविधा : किचटो के पैसरोहाट नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिए 2 करोड़ 42 लाख 84 हजार 191 रुपये तथा किचटो के करमटांड नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिए 4 करोड़ 49 लाख 19 हजार 648 रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

वहीं, चिरैयाटांड स्थित शिव मंदिर से मोहन महतो के घर तक पीसीसी सड़क एवं गार्डवाल निर्माण के लिए 76 लाख 68 हजार 100

रुपये और किचटो में दिनु महतो के घर से बैजनाथ महतो के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण के लिए 76 लाख 65 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं।

इन योजनाओं के पूरा होने से संबंधित गांवों में सड़क संपर्क बेहतर होने और बरसात के दिनों में आवागमन की परेशानियों को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

प्रेस वार्ता में श्यामलाल महतो मंडल अध्यक्ष, विनोद सिंह विधायक आजसू नगर अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह सांसद प्रतिनिधि, लक्ष्मण मंडल सांसद प्रतिनिधि, अरुण सिंह सांसद प्रतिनिधि, धीरेंद्र कुमार वॉर्ग पूर्व मंडल अध्यक्ष, मोहन महतो आजसू प्रखंड सचिव, रीना देवी मंडल प्रतिनिधि, दिलीप अम्ब्वह सांसद प्रतिनिधि सहित कई लोग शामिल थे।

नगड़ी में कलशयात्रा के साथ नवरात्र का शुभारंभ

देश प्राण संवाददाता

पिस्का नगड़ी, 11 अक्टूबर : भव्य आकर्षक और शानदार कलशयात्रा के साथ ही रविवार को नगड़ी में नवरात्र का शुभारंभ हो गया। सुबह से देर रात तक नगड़ी - विशेषकर- दुर्गा मंदिर के आसपास पूरा वातावरण धूमधाम ैरहा। प्रातः काल से ही धार्मिक भजनों से सारा इलाका भक्ति भाव से सराबोर रहा।

नी बजे सुबह कलश यात्रा आरंभ हुआ,इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची निवासी सामाजिक सह धार्मिक कार्यकर्ता विनय सिन्हा रद्दीपूर रहे। श्री राम चरित मानस नवाह पारायण महायज्ञ सह दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक मंडल सहित सभी पदधारी शोभायात्रा का नेतृत्व कर रहे थे। शोभायात्रा में सैकड़ों कुंवारी कन्या और महिलाएं सिर में कलश लेकर चल रही थी, भजन कीर्तन और धार्मिक गीत के साथ कोलताकर परंपरागत मार्गों से होते हुए स्वर्णरेखा उद्गम स्थल रानी चुंवा पहुंची वहां से जल उठाकर वापस दुर्गा मंदिर पहुंची जहां करने

खबरकोना

कुएं में मिला 15 वर्षीय किशोर का शव, शाम से था लापता; गांव में पसरा मातम

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड अंतर्गत दिक्षिया गाँव में रविवार सुबह कुएं से 17 वर्षीय किशोर का शव मिलने से गाँव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दिक्षिया निवासी रोहित खेरा सदीप खेरा के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रोहित शनिवार शाम से ही घर से लापता था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। रविवार सुबह करीब छह बजे कुएं में शव दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल बेड़ो पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही बेड़ो थाना प्रभारी मो.कॉफिल अहमद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रांची रीम्स भेज दिया। फिलहाल किशोर की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

गेतलसूद चौक में आधी रात को दिखी रहस्यमई आकृति, जेपी मार्केट के सीसीटीवी में कैद

अनगड़ा : गेतलसूद चौक स्थित जेपी मार्केट के समीप 8 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे एक रहस्यमयी आकृति दिखाई देने का मामला चर्चा में आया। बताया जा रहा है कि उक्त आकृति जेपी मार्केट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज में सड़क पर एक आकृति तेज गति से दौड़ती दिखाई दे रही है। तबसे ही आकृति नग्न अवस्था में नजर आने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना वाली रात आसपास कुत्तों के तेजी से भौंकने की आवाज सुनाई दे रही थी। इसी दौरान सड़क पर तेज रफारत से दौड़ती आकृति सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। फुटेज को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। आधी रात को सामने आए इस दृश्य ने लोगों की उत्कुकता बढ़ा दी है। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही आकृति की पहचान और घटना के पीछे की वास्तविक वजह की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में फुटेज की जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल गेतलसूद चौक में यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

अजय नाथ शाहदेव फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

बुढ़मू : उरुगुड़ू में 11 अक्टूबर को स्व. लाल अजय नाथ शाहदेव फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन आजसू पार्टी के रांची जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी ने किया। उद्घाटन मैच शिव समल वल्लू और स्व. महेंद्र मुंडा स्पोर्टिंग क्लब उरुगुड़ू के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंत में पेनाल्टी शूटआउट में वूद की टीम ने दो गोल से जीत दर्ज की। इस अवसर पर आजसू पार्टी के कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, कमेटी अध्यक्ष लाल मुत्तुजय नाथ शाहदेव, सचिव जुलकर ने, काषाध्यक्ष मनरुद्दीन अंसारी सहित राज नायक, नमोज महतो, फारुक राजा, प्रेम प्रकाश सिंह, साहिल अंसारी, नजीर अंसारी और बशीर अंसारी उपस्थित थे। आयोजनों ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता को लेकर खेलप्रेमियों में उत्साह देखा गया।

टंडवा के पोकरा में शारदीय नवरात्र पर निकली भव्य कलश यात्रा, सैकड़ों महिलाओं ने उठाया जल

पिपरवार : शारदीय नवरात्र के अवसर पर टंडवा प्रखंड के पोकरा गांव में कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर गांव से निकली और शांका नदी पहुंचकर विधि-विधान के साथ जल उठाया। इसके बाद सभी महिलाएं कलश लेकर वापस पोकरा गांव पहुंची। कलश यात्रा के दौरान माहौल भक्तिमय बना रहा। इस कार्यक्रम में वतस सांसद के पंचायती राज सांसद प्रतिनिधि दिलीप कुमार अम्बड शामिल हुए। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बसंत राणा ने अंगवस्त्र शेट कर उन्हे सम्मानित किया। कार्यक्रम में दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बसंत राणा, सचिव बजरंग कुमार, शिक्षक बिनेश्वर कुमार, जगदीश महतो, विनोद कुमार सिंह, अनिल कुमार सिन्हा, पोकरा उर्फ कसियाडीह की मुखिया सरिता कुमारी, दासों देवी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

मांडर-चान्हो में शारदीय नवरात्र शुरू, मां दुर्गा की आराधना में जुटे श्रद्धालु

मांडर : मांडर और चान्हो क्षेत्र में शारदीय नवरात्र की शुरुआत मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ हुई। नवरात्र के पहले दिन विभिन्न दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने मां दुर्गा की पूजा कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मांडर प्रखंड के ग्राम्य में श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान पाली नदी से जल लेकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई और कलश स्थापना कर नवरात्र पूजा की शुरुआत हुई। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। नौ दिनों तक चलने वाले शारदीय नवरात्र में श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना या घटस्थापना को विशेष महत्व माना जाता है। इसे नवरात्र पूजा के शुभारंभ का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान से कलश स्थापना कर मां दुर्गा की आराधना करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है। नवरात्र के दौरान मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

दुर्गापूजा को लेकर पिपरवार थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

पिपरवार : दुर्गापूजा को लेकर पिपरवार थाना परिसर में थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की बररा, बेती बेहरा दुर्गापूजा समितियों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने सभी पूजा समितियों के पदाधिकारियों से आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए पूजा का आयोजन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। साथ ही सभी पूजा समितियों से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दुर्गापूजा मनाने की अपील की गई। बैठक में उपस्थित पूजा समिति के पदाधिकारियों ने भी शांतिपूर्ण ढंग से दुर्गापूजा संपन्न कराने में प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक में महेश विश्वकर्मा सुनिल प्रसाद रविन्द्र सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष रामपाल महतो आजसू नेता मोहन कुमार महतो बनराज भोगता गुनज सिंह विजय लाल इल्लाम अंसारी सहित कई लोग शामिल थे।

मांडर-बुड़मू मार्ग पर सड़क हादसा एक गंभीर, रिस्स रेफर



स्थापित की गई।

मंदिर के अंदर पं उमाशंकर पाठक दुर्गा पाठ कर रहे हैं तब पुजारी पंकज पांडेय दुर्गा पूजा करना रहे हैं। इसके पश्चात श्री राम चरित मानस का पाठ मुनिराज

शस्त्री करा रहे हैं दर्जनों पाठ कर्ता रामायण पाठ में शामिल हुए हैं। संध्या में महिलाओं के द्वारा देवी गीत गाकर माता का आवाहन किया। संध्या आरती के पश्चात प्रवचन हुआ।

बेड़ो में 10 दिवसीय दुर्गा पूजा शुरू

बेड़ो : ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध महादानी बाबा मंदिर परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में रविवार सुबह भव्य कलश यात्रा के साथ 10 दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में बहियों, युवतियों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ढोल, दहक, शहनाई और शख की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा का आयोजन मुख्य पुजारी अशोक पंडा एवं सोनू पंडा के साथ डॉ. रमेश प्रसाद गुप्ता, दुर्गा पूजा आयोजन महासमिति के अध्यक्ष कैलाश कुमार,

सचिव रवि सिंह, मुकेश कुमार साहू, राजेश कुमार महतो, अर्पू लाल खन्ना, नित्यानंद मिश्रा और बजरगी बाबा सहित अन्य लोगों के संयुक्त नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने महादानी बाबा मंदिर की परिक्रमा की और मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। धार्मिक उत्साह और भक्ति के माहौल में निकली इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।



‘साहसिक और नवोन्मेषी कार्यों’ का सम्मान

हर साल, साहित्य के नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले, साहित्यिक आलोचकों के बीच सम्पाचित दावेदारों को लेकर काफी अटकलें लगाई जाती हैं। स्वीडिश अकादमी, जो 50 वर्षों से अपने नामांकन गुप्त रखती है, अक्सर चौंकाने वाले फैसले लेती रही है। लेकिन इस साल, इसने 76 वर्षीय कनाडाई कवयित्री, निबन्धकार, अनुवादक और नाटककार ऐनी कार्सन को चुना है, जो एक तरह से पुरस्कार विजेताओं की पसन्दीदा थीं। अकादमी ने हर दो या तीन साल में महिला लेखकों को सम्मानित करने की अपनी दशकों पुरानी परम्रा को भी कायम रखा है - कार्सन साहित्य के 123 नोबेल पुरस्कार विजेताओं में 19व्वी महिला हैं। अकादमी ने उनके ‘साहसिक और नवोन्मेषी कार्यों’ की प्रशंसा की, जिन्होंने शास्त्रीय परम्परा के साथ चंचल सम्वदा स्थापित करते हुए समकालीन साहित्य के लिए नए रूप सृजित किए हैं। कविता, गद्य और विद्वता के बीच की सीमाओं को लगातार तोड़ने के लिए जानी जाने वाली कार्सन, शास्त्रीय को समकालीन और व्यक्तिगत के साथ सहजता से जोड़ती हैं, अक्सर विचित्र संयोजनों के माध्यम से। उन्होंने थिएटर निर्देशकों, कॉरियोग्राफरों और दृश्य कलाकारों के साथ भी



ऐनी कार्सन : साहित्य का नोबेल पुरस्कार

छ्तीस वर्ष पूर्व के शोध पूर्ण लेख ‘पारसी’ का संक्षिप्तीकरण

रन्दी सत्यनाराण राव

पारसी नाम अपने में असीम लगन अदम्य साहस तथा अथक परिश्रम के साथ अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा समाहित किए हुए जमशेदपुर में अनुकरणीय उदाहरण बना हुआ है। पारसी के नाम मात्र से अनेक महापुरुषों की स्मृतियाँ जेहन में उभर आती हैं कि समझ नहीं आता आरम्भ मैं किनसे करूँ। उनसे जिन्होंने प्रथम पारसी के रूप में काली माटी में कदम रख कर देश का सब से पहला लाघा का कारखाना स्थापित किया। (पाठकों को बता दें कि आज का जमशेदपुर पहले कालीमाटी के नाम से ही जाना जाता था और अब भी रेलवे स्टेशन का नाम टाटा नगर है) या उनसे जिन्होंने अपने पिताश्री जमशेद जी नोशेरवान जी टाटा जी टाटा से मिली विरासत को अशुष्ण बनाए रखने के प्रयास स्वरूप सन द्दोराब जी टाटा ने आवश्यक सामग्री ढूँढने के क्रम में तपती धूप में अपने खून को पसीने के रूप में बहाया और जब आर्थिक संकट के कारण कम्पनी का निर्माण खरते में पड़ता दिखलाई दिया तो अपनी धर्म-पत्नी के जेवर भी बन्धक रखने से नहीं चूके और कम्पनी को बचाव होने से बचाया। अथवा उनसे जिन्होंने अपने पूर्ववर्ती परम्परा को बनाये रखते हुए न केवल जमशेदपुर को बेहतर बनाने पर ध्यान केन्द्रित किया, बल्कि स्वयं देश का पहला पायलट बन, पूरे विश्व से अपने देश को वायु सेवा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जेआरडी टाटा अथवा उन बहुमुखी प्रतिभा के धनी, ‘रुस्तम जी होरमुस जी मोदी’ का जिक्र करूँ जिन्होंने सन् 1939 में तत्कालीन जनरल मैनेजर सर जर्हांगीर गाँधी द्वारा यह सवाल पर कि आप इस कम्पनी में किस प्रकार की आशा ले कर आये हैं। प्रत्युत्तर में श्री रुसी मोदी का उत्तर था, ‘एक दिन मैं आपकी इसी कुर्सी पर बैठने के इरादे से आया हूँ...’ उपरोक्त उत्तर में न केवल उनका स्वाभिमान बोल रहा था, बल्कि अपने काम के प्रति अटूट विश्वास भी इसमें था। बाद में यही माद्दा उन्हें एक साधारण अग्र्रेन्टिस से विश्व के छह सर्वश्रेष्ठ उद्योगपतियों में से एक तथा पद्म-भूषण से आलंकृत होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ज्ञातव्य है कि अग्नेयी शासन काल के दौरान आज का जमशेदपुर तत्कालीन बंगाल प्रोबिन्स के अन्तर्गत आता था और उस समय इस क्षेत्र को काली-माटी के नाम से जाना जाता था। गुजरात से यहाँ पारसियन अथवा पारसी जिसका प्राचीन नाम फारस और आज



इसे ईरान देश के नाम से जाना जाता है। भारत में सबसे पहले गुजरात में आकर बस गये। फिर मुम्बई तक फैल गए। जमशेदपुर में पारसी कब आये इस सम्बन्ध में विरोधाभास है, किन्तु यहाँ सन् 1904 से आने का अनुमान है। यह टाटा नगर के निर्माण के प्रारंभिक दिन थे। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ‘टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी’ आज ‘टाटा-स्टील’ के नाम से विख्यात है, सन् 27 अगस्त, 1907 को पंजीकृत हुई थी।

भारत में पारसियों का पहला मंदिर- टॉवर ऑफ साइलेंस हुन्दवाडा में स्थापित हुआ जो काशी जैसा पवित्र माना जाता है। तत्पश्चात् दिल्ली, मुम्बई, कोलकता, हैदराबाद, सुरत, नौसारी अहमदाबाद में स्थापित हुए। जमशेदपुर में पारसियों का ‘फायर-टेंपल’ (अग्नि-मंदिर) के निर्माण की नींव 13 नवम्बर, 1954 को ही डाल दी गई थी, किन्तु इसका उपयोग सन् 3 मार्च 1960 से ही आरम्भ हो सका। यहाँ की अगियारी के लिए मुम्बई से पवित्र अग्नि लाकर प्रतिष्ठित की गई थीं। पारसियों में अपने गाँव या क्षेत्र विशेष का अपने नाम के अन्त में सरनेम जोड़ पहचाने जाने का रिवाज है। जैसे मोदी, दारुवाला, सारयवाला, धोतीवाला, गाँधी आदि-आदि।

पारसी सितम्बर महीने में पारसी ‘न्यू ईयर’ तथा मार्च महीने में ‘जमशेद नौ रोज’ उत्सव पर धनशाक नामक पकवान बना कर खाते हैं। इस दिश में जायकेदार मसालों के साथ चावल और मछली भिन्न-भिन्न खुबुबुओं में परोसी जाती है। पारसियों में अन्तर

जातीय विवाह की सख्त मनाही है। ऐसा करने वालों को अपनी विरादरी से निकालसित कर देते हैं। पारसियों को वैवाहिक बन्धन में बाँधने वाले को ‘डोस्टर’ कहा जाता है. हिन्दु रीति-रिवाजों की भाँति पारसी महिलाएँ भी विशेष आयोजनों पर अल्पनाएँ बनाकर अपनी सुकोमल भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। ऐसी अल्पना को ‘चौक’ कहा जाता है। पारसी, प्रत्येक जुलाई माह को ‘बाहान’ महीना की संज्ञा से विभूषित करते हुए महीने भर मांसाहार से परहेज करते हैं, लेकिन अगस्त से मांसाहार का सिलसिला पुनः चल पड़ता है। पारसी धर्म और कर्म-काण्ड में ‘सफेद-सांड’, जिसे ‘वरस्य’ कहा जाता है, का विशेष महत्त्व है। विशेष अवसरों पर इसके बाल और मूत्र का उपयोग करते हैं। इस सम्बन्ध में ध्यान देने योग्य बात यह कि इस तरह के कार्य के पहले सफेद साँड की प्रतिष्ठा की जाती है। पारसियों के द्वारा जमशेदपुर में शिक्षा उन्नत स्वास्थ्य और रोजगार का अतुल्य योगदान किसी से छुपा हुआ नहीं। टाटा कम्पनी ने पोंगा से संचेत कर मजदूरों को रोजगार और समय पर पगार अर्थात उचित वेतन देकर समृद्ध किया।केएमपीएम से लेकर ‘लोला’ , ‘बागे-ए-जमशेद’, ‘जुबली-पार्क’, ‘टाटा-ज्येलिजकल पार्क’, से ‘टाटा मैन अस्पताल’, ‘टाटा टैक्निकल इन्स्यूट’, ‘जमशेदपुर महिला महा-विद्यालय’ ‘युनाईटेड-क्लब’, स्वस्थ वातावरण तथा सभी धर्मों के उपसना स्थलों का आंवटन, कर्मचारियों के लिए स्थल, ‘क्लड-बैंक’, और मनोरंजन की

कहानी

राजेन्द्र कुमार सिंह

प्लम्बिंग का काम भी करते थे। इधर का काम देखते तो उधर की दुकान बन्द करनी पड़ती और दुकान सम्भालते तो प्लम्बिंग का काम छूट जाता। इसलिए बीच-बीच में दुकान बन्द करना उनकी मजबूरी थी।

उनकी मोहल्ले में उनकी दुकान थी, वहाँ से उनका घर करीब चार किलोमीटर दूर था। अपना मकान नहीं था, किराए के मकान में रहते थे। भरा-पूरा परिवार था। दो बेटे और एक बेटी। बेटी की शादी हो चुकी थी। दोनों बेटे अभी पढ़ रहे थे। छोटा बेटा एक कम्पनी में नौकरी करता था, जबकि बड़ा बेटा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग का कोर्स करने के बाद नौकरी पाने के लिए अथक प्रयास कर रहा था।

राघव जी से मेरा नियमित मिलना-जुलना था। इसलिए जब कभी उन्हें लघुशंका लगती या चाय पीने की तलब होती, तो दुकान मेरे भरोसे छोड़कर चले जाते। कभी-कभी मुझसे भी कहते-

‘साहब, आप भी चलिए!’ मैं हँसकर कहता- ‘भाई,मेरा घर तो यहीं बाजू में है। आप पीकर आइए!’ उनके जाते ही मैं उनका ब्रश उठाकर अपने जूतों पर फेरने लगता। जब तक वे वापस आते, तब तक कभी-कभार एक-दो ग्राहक भी आ जाते थे। हालाँकि हर बार ऐसा हो, यह जरूरी नहीं था।

लेकिन उस दिन तो गजब ही हो गया! जैसे ही राघव जी चाय पीने के लिए गए, मैं उनका ब्रश लेकर अपने जूतों की धूल साफ कर ही रहा था कि तभी एक ग्राहक ने अपना जूता उतारकर मेरी तरफ बढ़ा दिया। उसने पूछा- ‘पॉलिश का कितना हुआ, काका?’

हालाँकि बीच-बीच में राघव जी को दुकान बन्द करके जाना पड़ता था। दरअसल, वे

अक्सर सहयोग किया है, जिससे साहित्य की हमारी समझ का विस्तार हुआ है।

क्लासिक साहित्य और प्राचीन ग्रीक की विद्वान कार्सन की रचनाएँ प्रेम, इच्छा, रहस्यवाद, प्राचीनता और निराशा का अन्वेषण करती हैं। उनकी पहली पुस्तक, ईरोस द बिटरस्वीट (1986), सैफो पर उनके पीएचडी शोध प्रबंध का संशोधित संस्करण है, जो ग्रीक अवधारणा ‘अभाव’ के माध्यम से इच्छा के सुख और दुख का विश्लेषण करती है। शॉर्ट टॉक्स (1992) संधिपत्र, गीतात्मक गद्य कविताओं की एक शृंखला है, जिनमें से प्रत्येक अपने विषय को खण्डों और स्वर-परिवर्तनों के माध्यम से व्यक्त करती है। ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड (1998), सम्भवतः उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना है, जिसमें वे गैरियन और हेराक्लस की प्राचीन ग्रीक मिथक को एक समलैंगिक किशोरावस्था की कहानी के रूप में पुनर्कल्पित करती हैं, जिसमें कविता और गद्य का संयोजन है। द व्यूटी ऑफ द हसबैंड (2001), एक विवाह के दर्दनाक विघटन के बारे में कथात्मक छंदों की एक अर्ध-आत्मकथात्मक रचना है, जो टैंगो से अपनी विष्व उधार लेती है और अपने खण्डों की शुरुआत जॉन कीट्स की पंक्तियों से करती है; इसके

लिए वे टीएस एलियट पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला बनीं। उनकी बाद की रचनाएँ– नॉक्स (2010), जो एक ही समय में एक पुस्तक, एक शोकगीत और एक कला वस्तु है; रेड डॉक (2013), जो ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड का सीक्वल है ; और फ्लोट (2016), जो एक एसीटेट केस में रखी 22 छोटी पुस्तकों के रूप में है–सभी को आसानी से किसी श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

यह पुरस्कार न केवल एक उत्कृष्ट कवि या क्लासिकिस्ट की पहचान है, बल्कि साहित्यिक प्रयोगों का उत्सव और एआई की सुस्ती के दौर में मानवीय कल्पना और रचनात्मकता की असीमित सम्भावनाओं की याद दिलाता है। ध्रुवीकृत बहसों के इस युग में, उनका लेखन मानवीय अनुभवों की जटिलताओं को कभी सरल नहीं बनाता या उन्हें स्पष्ट निष्कर्षों में नहीं ढालता। शास्त्रीय परम्पराओं को अप्रत्याशित तरीकों से नया रूप देकर, वे प्राचीन को आध्वर्जनक रूप से समकालीन बना देती हैं, साथ ही उसकी ऐतिहासिक विशिष्टता को भी बरकरार रखती हैं। अकादमी ने एक ऐसे लेखक को चुना है जो किसी विशेष श्रेणी में नहीं आता, बल्कि एक ही समय में हर जगह मौजूद है।

बाल कहानी

ए.पी. भारती

मनुष्य का मतलब

एक बहुत बड़ा मन्दिर था। मंदिर संचालन के लिए मंदिर प्रशासन था। एक बार उस मन्दिर के मुख्य पुजारी का निधन हो गया। अब मन्दिर के लिए नये मुख्य पुजारी की जरूरत थी। मुख्य महन्त ने प्रचार करवा दिया कि अमुक तिथि को नये मुख्य पुजारी का चयन किया जाएगा। जो लोग धर्म-कर्म का बेहतर ज्ञान रखते हों, वे साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।

उस दिन सैकड़ों ब्राह्मण सज-धजकर मन्दिर के प्रांगण में उपस्थित हो गये। निर्धारित समय पर साक्षात्कार प्रारम्भ हुआ। मुख्य महन्त ब्राह्मणों से प्रश्न पूछ रहे थे। जब सबका साक्षात्कार हो चुका तो एक साधारण-सा युवा ब्राह्मण उपस्थित हुआ। उसके आने का प्रयोजन पूछा गया तो उसने बताया, ‘श्रीमन्, मैं भी मुख्य पुजारी के पद के लिए साक्षात्कार देने आया हूँ।’

मुख्य महन्त ने कहा, ‘किन्तु तुम इतनी देर से क्यों आए हो। अब तो साक्षात्कार का समय समाप्त हो गया।’

युवक ने बताया, ‘राह में तमाम कंकड़-पत्थर और कौंटे इत्यादि थे। यात्रियों को चलने में कष्ट होता था। मैं राह को साफ करने लगा जिसमें मुझे काफी समय लग गया। साक्षात्कार समाप्त हो गया तो कोई बात नहीं। मैं भगवान के दर्शन करके चला जाऊँगा।

महन्त उससे प्रभावित हुए, पूछा, ‘क्या तुम्हें पूजा-अर्चना करना आता है।’

युवक ने बताया, ‘श्रीमन्, यह तो मैं नहीं जानता, किंतु भगवान को स्नान करकर चन्दन, फूल चढ़ा देना, धूप दीप आदि जला देना तथा शंख बजा देना, भोग सामने रखकर पर्वा पेशा देना तो मैं जानता हूँ।’

महन्त ने पूछा, ‘और मंत्र जानते हो।’

युवक बोला, ‘ईश्वर से स्नान करने और पूजा करने के लिए कहने के मन्त्र भी होते हैं, यह मैं नहीं जानता।’

यह सुनकर तमम ब्राह्मण हँसे, ‘यह गधा भी मुख्य पुजारी बनने को आया है जिसे मन्त्र भी नहीं आते।’

महन्त ने सिर नीचे कर कहा, ‘हूँ...., बेटा, पुजारी तो तुम बन ही गये। अब मन्त्र सीखने बाकी हैं। वह तुम्हें मैं सिखा दूँगा।’

इस पर ब्राह्मणों ने आपत्ति की, ‘कल का छेकरा मुख्य पुजारी बनेगा, जिसे मन्त्र तक नहीं आते। यह तो गलत है।’

महन्त बोले, ‘आप लोग नाराज न हों। मुझसे भगवान ने स्वप्न में आकर कहा कि मुख्य पुजारी के पद पर किसी मनुष्य की नियुक्ति की जाए। मैं तो भगवान की आज्ञा का पालन भर कर रहा हूँ।’

सब क्रोध मिश्रित आश्चर्य से बोले, ‘तो क्या हम मनुष्य नहीं हैं। हम पढ़े-लिखे, सध्य, सुसंस्कृत तथा अपने कार्य में निपुण लोग हैं। हमारे होते एक मूर्ख युवक को नियुक्त कर आप हम ब्राह्मणों का अपमान कर रहे हैं।’

महन्त ने शान्त भाव से कहा, ‘ब्राह्मण देवता, आप नाहक क्रोध कर रहे हैं। अपने स्वार्थ को तो जानवर भी जानते हैं। अनेकों जानवर भी बड़े चतुर होते हैं, लेकिन उनको हम मनुष्य तो नहीं मानते, है न। मेरा अभिप्राय यह है कि वास्तव में मनुष्य वह है जो दूसरों के कष्टों को कम कर उन्हें सुख पहुँचाने का प्रयत्न करे। इस सीधे-सादे युवक ने राह को साफ कर अपनी मनुष्यता का प्रमाण दिया है। आप भी उसी रास्ते से आए, किंतु आपने इसकी तरह राह को साफ नहीं किया। मुझे लगता है कि भगवान मुख्य पुजारी के रूप में इसे पाकर प्रसन्न होंगे।’

महंत की बात पर सभी ब्राह्मणों के सिर झुक गये और वे लज्जित भाव से सिर झुकाए वापस चले गये। (उर्वशी)

बूट पालिश



हमारे मोहल्ले के अगले हिस्से से लगकर ही फोर-लेन सड़क शुरू होती है। उसी मुख्य चौराहे के बाजू में, पार्क साइड बस स्टैंड के किनारे, एक झोपड़ीनुमा छोटी-सी दुकान है,जहाँ जूते दुरुस्त करने और पॉलिश करने का काम होता है। इस दुकान के प्रोपराइटर हैं- श्री राघव आहिरे।

कद-काठी में लम्बे-चौड़े, साँवले रंग के, गठीले बदन वाले राघव जी काफी हँसमुख और मिलनसार हैं। हालाँकि इस कॉलोनी के चौराहे पर उन्हें दुकान लगाए हुए अभी मात्र दो वर्ष ही हुए हैं। पहले वे खुले आसमान के नीचे ही अपनी दुकान लगाते थे। काफी अरसे से उनके मन में दुकान को झोपड़ीनुमा शकल देने की इच्छा थी, लेकिन इसके लिए उन्हें नगर निगम वालों की गतिविधियों पर भी नजर रखनी पड़ती थी।

सड़क के किनारे अस्थायी रूप से बनी दुकानों पर नगर निगम की गाज सभाय-कुसमय गिरती रहती थी। कब दुकान उखाड़कर ले जाएँ, कोई भरोसा नहीं। लेकिन राघव जी की दुकान के साथ ऐसी नौबत आने की सम्भावना कम थी। एक तरफ बिजली का पोल था और उससे करीब तीन फीट की दूरी पर समानान्तर एक कदम्ब का पेड़। इन दोनों के सहारे उनकी

झोपड़ीनुमा दुकान कुछ हद तक सुरक्षित थी।

मैंने भी अपने स्तर पर थोड़ी जाँच-पड़ताल की तो पता चला कि इस तरह की जगहों पर बनी छोटी-मोटी दुकानों को आसानी से नुकसान नहीं पहुँचाया जाता। बस फिर क्या था! हरी झण्डी मिलते ही राघव जी ने पोल और पेड़ का सहारा लेकर दुकान को झोपड़ी का आकार दे दिया। इस छोट-से प्रयास से वे गर्मी और बारिश से बचने में सफल हो गए।

अक्सर दोपहर का अधिकांश समय मेरा

उन्हीं के साथ बीतता था।

हालाँकि लेखक होने के नाते मैं समाचार-पत्रों में आलेख लिखता रहता हूँ। नौकरी में आने से पहले भी समाचार-पत्रों में लिखा करता था। नौकरी लगने के बाद नियमित लेखन तो नहीं हो पाता था, लेकिन सेवानिवृत्त होने ही फिर नियमित रूप से लेखन कार्य में लग गया।

इसीलिए दोपहर में टहलने के उद्देश्य से जब भी निकलता,तो एक-डेढ़ घंटे के लिए वहीं बैठ जाता। राघव जी से तरह-तरह की बातें और विचार-विमर्श होता रहता। मुझे देखकर दो-चार और लोग भी वहाँ आ जाते और हमारी छोटी-सी बैठक जम जाती।

हालाँकि बीच-बीच में राघव जी को दुकान बन्द करके जाना पड़ता था। दरअसल, वे



वॉलीबॉल चैंपियंस लीग : अयोध्या गर्जन की करीबी जीत, हुगली हिटर्स ने दिल्ली डायनामाइट्स को हराया

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.) : वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अयोध्या गर्जन ने राजस्थान स्पाइकर्स को कड़े मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। नोएडा के नोएडा इंडोर स्टेडियम में शनिवार खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने की मिली। अयोध्या गर्जन ने शानदार शुरूआत करते हुए पहला सेट 21-20 से जीता। इसके बाद टीम ने दूसरे सेट में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 21-19 से जीत हासिल कर मैच में बढ़त बना ली। राजस्थान स्पाइकर्स ने तीसरे सेट में वापसी की और 21-19 से सेट अपने नाम किया, लेकिन शुरुआती दो सेट जीतने के दम पर अयोध्या गर्जन ने मुकाबला 2-1 से अपने नाम कर लिया।

राजस्थान स्पाइकर्स के अनोकेत को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि अयोध्या गर्जन के मुकुल राणा को टीम की जीत में योगदान के लिए इमैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। जीत के बाद मुकुल राणा ने



कहा, यह एक मुश्किल मुकाबला था और राजस्थान ने तीनों सेट में हमें कड़ी टक्कर दी। हमें पता था कि हमें अपना ध्यान बनाए रखना होगा और खासकर पहले दो सेट में अहम पॉइंट्स का पूरा फायदा उठाना होगा। टीम ने अच्छा

तालमेल दिखाया और अंत तक लड़ाई जारी रखी। मुझे खुशी है कि हम जीत हासिल कर सके। अब हम इसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे और आने वाले मैचों में भी अपनी लय बनाए रखेंगे।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग में एक अन्य मुकाबले में हुगली हिटर्स ने शानदार वापसी करते हुए दिल्ली डायनामाइट्स को 2-1 से हरा दिया। पहले सेट में हार के बाद हुगली की टीम ने जोरदार वापसी की और कड़े मुकाबले में

जीत दर्ज की। दिल्ली डायनामाइट्स ने अच्छी शुरूआत की और पहला सेट 21-14 से जीतकर हुगली हिटर्स पर दबाव बना दिया। हालांकि, हुगली ने दूसरे सेट में अपने खेल का स्तर बेहतर किया और 21-18 से

भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग के दूसरे सीजन की जर्सी का अनावरण, 25 नवंबर से बेंगलुरु में होंगे 127 मुकाबले

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.) : भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग ने अपने दूसरे सीजन की जर्सी का अनावरण किया। शनिवार रात नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लीग का दूसरा सीजन 25 नवंबर से 30 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा, जिसमें कुल 127 मुकाबले खेले जाएंगे।

जर्सी अनावरण समारोह में अभिनेत्री करिश्मा शर्मा और शेफाली बग्गा भी शामिल हुईं। इस आयोजन में खेल और मनोरंजन जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लीग का उद्देश्य सॉफ्टबॉल क्रिकेट की पहुंच बढ़ाना और खिलाड़ियों, टीमों, प्रायोजकों तथा खेल प्रेमियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सुरेश रैना ने कहा कि खेल से जुड़ी पहलुओं को एकजुट करने, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों के लिए नए अवसर तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि लीग का दूसरा सीजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा



दिखाने का मंच देगा और सॉफ्टबॉल क्रिकेट में अधिक लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

लीग के अध्यक्ष डॉ. गंगाधर राजू ने कहा कि दूसरे सीजन में संगठित प्रतियोगिता और दर्शकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस सीजन में 127 मुकाबलों की योजना है। हमारा उद्देश्य इस खेल की पहुंच बढ़ाना, खिलाड़ियों के लिए अवसर तैयार करना और देशभर की टीमों,

भागीदारों तथा दर्शकों को एक मंच पर लाना है। लीग का लक्ष्य सॉफ्टबॉल क्रिकेट को पेशेवर तरीके से आयोजित प्रतियोगिता के रूप में विकसित करना है, ताकि खेल में भागीदारी के साथ दर्शकों की रुचि भी बढ़ाई जा सके।

बेंगलुरु में होने वाले इस टूर्नामेंट में विभिन्न टीमों और खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। लीग आयोजकों को उम्मीद है कि इस सीजन के माध्यम से देश में सॉफ्टबॉल क्रिकेट की पहचान और पहुंच को और विस्तार मिलेगा।

एनफील्ड में गूंजेगा प्रशंसकों का जोश, मैनचेस्टर सिटी को हराकर जश्न मनाना लक्ष्य : इराओला

★ **लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच आज प्रीमियर लीग का बड़ा मुकाबला**

लिवरपूल, 11 अक्टूबर (हि.स.) : लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच रविवार रात (भारतीय समय अनुसार) को इंग्लिश प्रीमियर लीग का बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेला जाएगा। एनफील्ड में होने वाले इस मैच से पहले लिवरपूल के मुख्य कोच आन्दोनी इराओला ने कहा कि स्टेडियम में हाहाल ख़ास होगा और उनकी टीम प्रशंसकों को जश्न मनाने का अवसर देना चाहती है। मीडिया से एक साक्षात्कार में इराओला ने टीम के मौजूदा प्रदर्शन, सुधार की जरूरतों और मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलने के महत्व पर अपनी बात रखी। इराओला पहली

बार लिवरपूल के मुख्य कोच के रूप में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अवकाश ने टीम को अब तक के प्रदर्शन का आकलन करने और आगामी मुकाबलों की तैयारी के लिए जरूरी समय दिया है।



इराओला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अवकाश हमें अब तक के सत्र पर विचार करने का अवसर देता है। सामान्य तौर पर हमारा कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहता है और अगले मुकाबले की तैयारी के लिए केवल दो या तीन दिन मिलते हैं। इस अवकाश के दौरान हमने उन पहलुओं का विश्लेषण किया, जिनमें हमें अच्छा प्रदर्शन किया है और जहां सुधार की जरूरत है।

कारण ध्यान नहीं दे पा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दौरान कोचिंग स्टाफ को एक साथ बैठकर आगामी मुकाबलों की रणनीति तैयार करने का अवसर भी मिला। लिवरपूल से जुड़ने के बाद अपने अनुभव पर इराओला ने कहा कि खिलाड़ियों ने नए विचारों और खेलने के तरीके को अपनाने में सकारात्मक रवैया दिखाया है। उन्होंने कहा कि लिवरपूल बहुत बड़ा क्लब है और मैं खिलाड़ियों के रवैये से ख़ास तौर पर प्रभावित हुआ हूं। सभी ने हमारी मदद करने और

हमारी कार्यशैली के अनुरूप जल्दी ढलने की कोशिश की है। नए कोच के आने पर बदलावों की स्वीकार करना हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार पेशेवर रवैया दिखाया है और खुद को बेहतर बनाने की इच्छा जाहिर की है। इससे मेरे और मेरे सहयोगी स्टाफ के लिए बदलाव की प्रक्रिया आसान हुई है। टीम को अपनी क्षमता के अनुसार सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने का प्रयास करना होगा।

वाराणसी की फिट इंडिया साइकिल रैली में दिया गया नशामुक्त युवा का संदेश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.) : केंद्रीय युवा मामलों एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में फिट इंडिया सडेज ऑन साइकिल के 94वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस आयोजन में 500 से अधिक साइकिल सवारों और 1,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिटनेस के प्रति जागरूक करना था। इस बार की थीम विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा रही। कार्यक्रम में 2026 आइची-नागोया एशियाई खेलों के पदक विजेताओं प्राची चौधरी, पारुल चौधरी, जय कुमार और राज कुमार पाल ने भी भाग लिया।



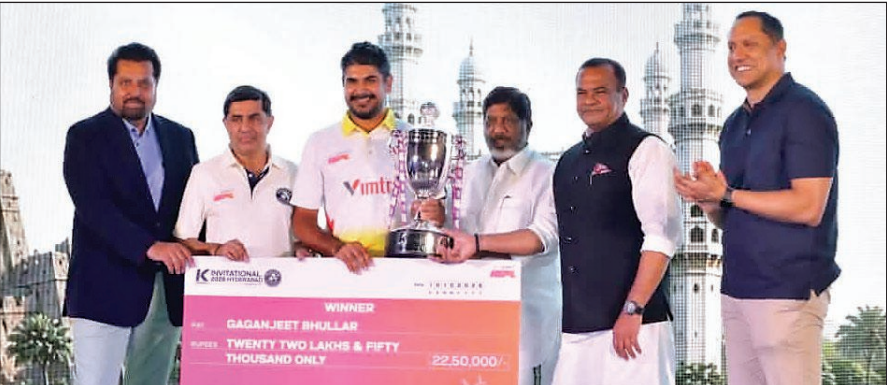
कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे वाराणसी के नमो घाट पर हुई। हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट, कान्हा शांतिवनम हैदराबाद की युवा मामलों की निदेशक डॉ. निवेदिता श्रेयंस ने ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। इस सत्र के माध्यम से शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर जोर

दिया गया। इसके बाद आकर्षक कथक प्रस्तुति और ऊर्जावान जुंवा सत्र का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, शारीरिक सक्रियता और सामुदायिक भागीदारी को एक मंच पर लाकर समग्र स्वास्थ्य का संदेश दिया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवाओं से फिटनेस को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व को रेखांकित किया।

गगनजीत भुल्लर ने जीता कृष्णा आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (हि.स.) : विमत्रा चेन्नई लायंस गोल्फ क्लब के गगनजीत भुल्लर ने एएम ग्रीन आईजीपीएल कृष्णा आमंत्रण 2026 गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। हैदराबाद गोल्फ क्लब में हुए मुकाबले में भुल्लर ने कुल 14 अंडर पार 196 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। तेलंगाना के उध्मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमाकां ने उन्हें विजेता ट्रॉफी और 22 लाख 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।



पंजाब रैट्स गोल्फ क्लब के करनदीप कोचर और सी. मुनियप्पा संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। दोनों खिलाड़ियों को 12 लाख 75 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली। कृष्णा पंजाब रैट्स गोल्फ क्लब के मालिक सुमित पासी की मेजबानी में

आयोजित इस टूर्नामेंट ने हैदराबाद में गोल्फ प्रेमियों को शानदार खेल देखने का अवसर दिया। इस अवसर पर भुल्लर ने कहा कि 12 साल के अंतराल के बाद हैदराबाद लौटकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने यहां के गोल्फ कोर्स का भरपूर आनंद लिया और

परिस्थितियां भी बहुत अच्छी थीं। एएम ग्रीन आईजीपीएल का विशेष धन्यवाद। हमने पिछले साल आईजीपीएल के साथ इस यात्रा की शुरुआत की थी। कृष्णा आमंत्रण 2026 की मेजबानी करने और इस आयोजन को संभव बनाने के लिए कृष्णा पंजाब रैट्स

गोल्फ क्लब के मालिक सुमित पासी का विशेष आभार। उम्मीद है कि यह यहां मेरी आखिरी भागीदारी नहीं होगी। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और एशियाई टूर पर तीन खिताब जीत चुके शिव कपूर ने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत

अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि यहां आने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हमारी शुरुआत शानदार रही है। हम इस टूर्नामेंट को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं, दुनिया भर के खिलाड़ियों को इससे जोड़ना चाहते हैं और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना चाहते हैं। हैदराबाद गोल्फ संघ के अध्यक्ष भास्कर रेड्डी ने आयोजन को शहर के लिए गोल्फ का उत्सव बताया। उन्होंने कहा, ह्रडस सप्ताह हमारे सदस्यों ने बेहतरीन गोल्फ देखा और विशेष प्रो-एम प्रारूप में पेशेवर खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर भी मिला। मैं 35 वर्षों से गोल्फ खेल रहा हूं, लेकिन मैंने इस तरह का प्रो-एम आयोजन पहले कभी नहीं देखा।

अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि यहां आने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हमारी शुरुआत शानदार रही है। हम इस टूर्नामेंट को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं, दुनिया भर के खिलाड़ियों को इससे जोड़ना चाहते हैं और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना चाहते हैं। हैदराबाद गोल्फ संघ के अध्यक्ष भास्कर रेड्डी ने आयोजन को शहर के लिए गोल्फ का उत्सव बताया। उन्होंने कहा, ह्रडस सप्ताह हमारे सदस्यों ने बेहतरीन गोल्फ देखा और विशेष प्रो-एम प्रारूप में पेशेवर खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर भी मिला। मैं 35 वर्षों से गोल्फ खेल रहा हूं, लेकिन मैंने इस तरह का प्रो-एम आयोजन पहले कभी नहीं देखा।

बगलामुख्यै नमः। नवरात्रि के पहले दिन मां बगलामुखी के दिव्य दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं। मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। मां बगलामुखी की कृपा से सभी के जीवन में शक्ति, शांति, सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। रविवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व में मां दुर्गा के नौ शक्ति स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा का विधान है। नवरात्रि के नौ दिनों में क्रमशः मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कालायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। भक्त इन नौ दिनों में व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की आराधना कर सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। सुरेश रैना के क्रिकेट करियर से बात करें, तो रैना ने भारतीय टीम के लिए 18 टेस्ट, 226 वनडे और 78 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इस दौरान टेस्ट में एक शतक की बदैलत 768 रन, वनडे में पांच शतक के साथ 5615 रन और टी-20 1605 रन बनाए। वह 2011 में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे।

आईएसएसएफ विश्व कप : एयर पिस्टल में उदयवीर सिद्धू को गोल्ड

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.) : भारत के निशानेबाज उदयवीर सिद्धू ने रविवार को इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतियोगिता मिस्त्र के काहिरा में खेली जा रही है। रोमांचक फाइनल में उदयवीर ने जर्मनी के निशानेबाज क्रिश्चियन रिट्ज को 0.5 अंक से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।



भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के मुताबिक 24 वर्षीय उदयवीर ने पदक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 240.6 अंक हासिल किए, जबकि रिट्ज 240.1 अंकों के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे। इटली के पाओलो मोनो ने 219.8 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबला सिद्धू और रिट्ज के बीच कड़ा रहा, जिसमें भारतीय शूटर ने आखिरी पलों में अपना संयम बनाए रखते हुए खिताब अपने नाम किया। रिट्ज पूरे समय उनके करीब बने रहे। आखिरी दो शॉट से पहले उदयवीर रिट्ज से 0.3 अंक पीछे चल रहे थे। ऐसे में भारतीय

अजय कुमार बिंद ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

★ **5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 03.86 सेकंड का समय निकाल कर हासिल किया तीसरा स्थान**



वाराणसी, 11 अक्टूबर (हि.स.) : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के कर्मी एवं एथलीट अजय कुमार बिंद ने 65वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है।

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुषों के 5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 03.86 सेकंड का समय दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से बरेका सहित भारतीय रेल का गौरव बढ़ा

है। बरेका के जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अजय कुमार बिंद ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिचय देते हुए पदक हासिल किया।

अजय कुमार बिंद वर्तमान में बरेका में टेक्नीशियन (फिटर) के पद पर कार्यरत हैं। रेलकर्मी के साथ-साथ एक समर्पित एथलीट के रूप में उनकी यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अनुशासन, लगन और समर्पण को दर्शाती है।

